# भूकंपरोधी तकनीक खोजेंगे 25 कॉलेजों के छात्र

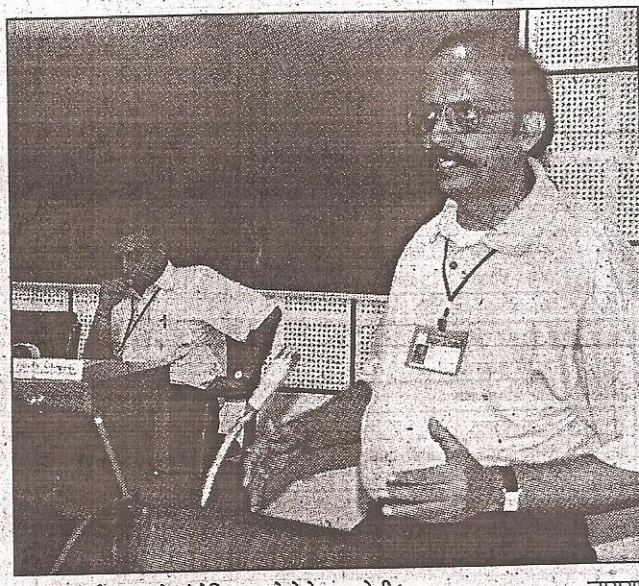

युनो : कार्यशाला को संबोधित करते केके बाजपेयी। जागरण

कानपुर, सिटी रिपोर्टर : आईआईटी में 10 दिन तक देश के 25 इंजीनियरिंग कॉलेजों के छात्र-छात्राएं भूकंप इंजिनियरिंग पर नयी तकनीकि की जानकारी लेंगे और शोध करेंगे। बुधवार को नेशनल इंफॉर्मेशन सेंटर ऑफ अर्थक्वेक इंजीनियरिंग (एनआईसीईई) द्वारा आयोजित 10 दिवसीय कार्यशाला शुरू हुई।

## आईआईटी में कार्यशाला

कार्यशाला का उद्घाटन डीन एकेडमिक अफेयर प्रो. संजय मित्तल ने किया। उन्होंने कहा कि भूकंप से हर साल विश्व में हजारों लोग मरते हैं। देश में लगातार खतरनाक क्षेत्रों की संख्या बढ़ती जा रही है। इस क्षेत्र में विशेष काम किये जाने की जरूरत है। इसके बाद सिविल इंजीनियरिंग विभाग के डॉ. दुर्गेश सी राय और केके वाजपेयी ने नयी तकनीकि की जानकारी दी। एनआईसीईई के को-ऑर्डिनेटर सुरेश ऐलावादी ने बताया कि लगातार आठवीं बार यह कार्यशाला हो रही है।

इस बार 28 कॉलेजों को बुलाया गया था लेकिन 25 कॉलेज़ों के 60 छात्र हिस्सा ले रहे हैं। इसमें बेस्ट थीसिस को इनाम दिया जाता है। पिछली बार की थीसिस पर वीएन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के पवन राठौर को दिया गया। यह इंस्टीट्यूट तीन बार इनाम जीत चुका है।

## असुरक्षित भवनों से होती मौतें

कानपुर : रावतपुर गांव स्थित प्राइस्ट हुड पब्लिक स्कूल में तीन दिवसीय आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण शुरू हुआ। इसमें संयोजक लखन शुक्ला ने कहा कि भूकंपरोधी मकान बनाने चाहिए। असुरक्षित भवनों से ज्यादा मौतें होती हैं। भूकंप के समय घर के अंदर सुरक्षित स्थल, मजबूत मेज, तख्त, घर के कोने में छिपना चाहिए। घर से बाहर निकलते समय हेलमेट या तकिया सिर पर लगाना चाहिए। स्मृति शुक्ला, नासिर खान, श्रद्धा गुप्ता, रत्ना शुक्ला, आशा सिंह, हरीश आदि मौजूद थे।